शिक्षा, स्वास्थ्य व निवेश का केंद्र बना गोरखपुर : योगी

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश, सीमावर्ती बिहार और नेपाल की तीन करोड़ की आबादी के लिए गोरखपुर महत्वपूर्ण केंद्र है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आज गोरखपुर नए भारत की विकास यात्रा में तेजी से आगे बढ़ रहा और उत्तर-पूर्व क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और निवेश का केंद्र बन गया है।

सीएम शनिवार को सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत कर रहे थे। उन्होंने उपराष्ट्रपति और उनकी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ का अभिनंदन किया। कहा कि सैनिक स्कूल के जरिये आज पीढ़ियों का निर्माण करने वाला पवित्र उद्देश्य पूरा हो रहा है। यह पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण दिन है। सीएम ने कहा कि सरकार नई पीढ़ी को उत्तम शिक्षा देने के लिए सर्वोत्तम प्रयास कर रही है। प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित 1 लाख 56 हजार से अधिक स्कूलों में जनसहभागिता और ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से बुनियादी सुविधाओं से आच्छादित करते हुए परिपूर्ण किया जा रहा है। यह कार्य एक लाख 34 हजार स्कूलों में हो चुका है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के सभी 18 मंडल मुख्यालयों पर गत सत्र से अटल आवासीय विद्यालय चल रहे हैं। शेष 57 जिलों में डे केयर स्कूल खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि पीएमश्री योजना में बेसिक और माध्यमिक के 1707 विद्यालयों को बेहतरीन सुविधाओं से सुसज्जित कर आगे बढ़ाने का कार्य भी किया जा रहा है।

सैनिक स्कूल की स्थापना से पूरा हो रहा पीढ़ियों के निर्माण का पवित्र उद्देश्य

गोरखपुर में शनिवार को सैनिक स्कूल का लोकार्पण हुआ। संवाद

राष्ट्रवाद से समझौता राष्ट्र से धोखा, ऐसे लोगों को बर्दाश्त नहीं करना : धनखड़

गोरखपुर/चित्रकूट। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारतीयता हमारी पहचान और राष्ट्र हमारा धर्म है। हमें निजी स्वार्थ से ऊपर राष्ट्र धर्म को रखना होगा। राष्ट्रवाद से समझौता राष्ट्र के साथ धोखा होगा, जो लोग ऐसा कर रहे हैं उन्हें बर्दाश्त नहीं करना है। उन्होंने कहा कि भारत में प्रजातंत्र बेहद मजबूत है। कोई इसकी कल्पना भी कैसे कर सकता है कि यहां पड़ोसी देश जैसे हालात होंगे। यह संभव नहीं है। उपराष्ट्रपति शनिवार को सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उधर, चित्रकूट में उपराष्ट्रपति ने जगदगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय में आधुनिक जीवन में ऋषि परंपरा, विषय पर संगोष्ठी का शुभारंभ किया। ब्यूरो/संवाद